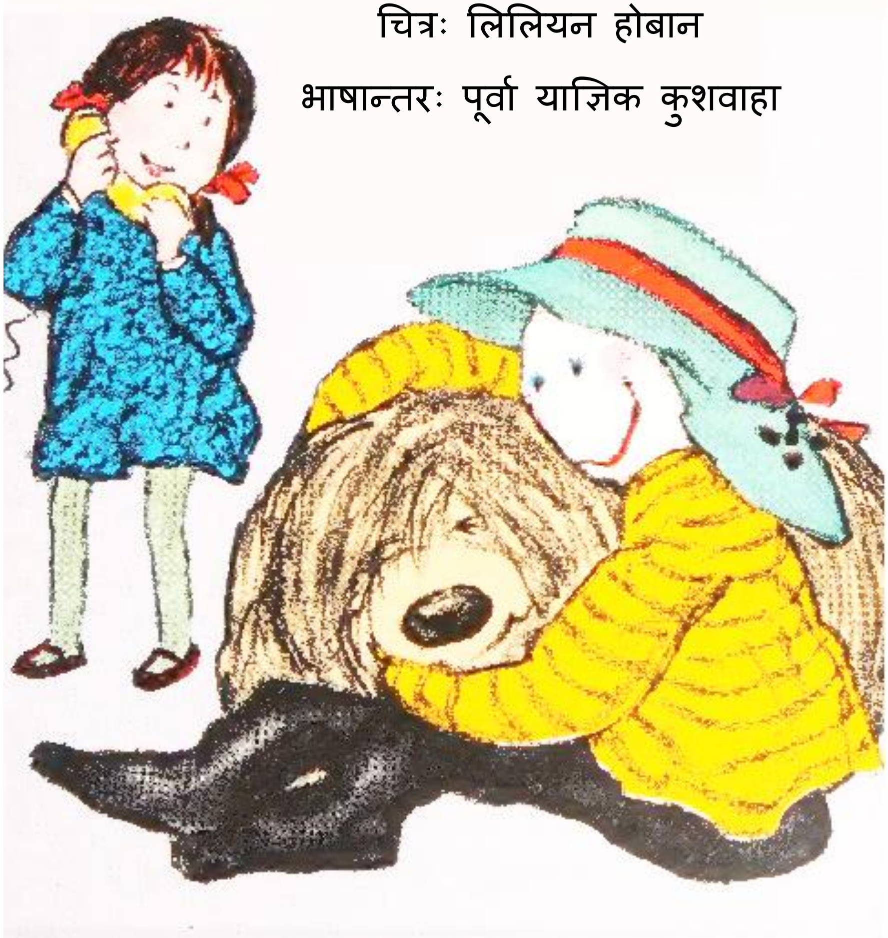
बड़ी-सी पुतली

लेखनः जैनेट शूलमैन

चित्रः लिलियन होबान

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा



बड़ी-सी पुतली





लेखनः जैनेट शूलमैन

चित्रः लिलियन होबान

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा



निक्की और उसकी बड़ी-सी पुतली को

जिसने इस कहानी की प्रेरणा दी



हाय, जेन।

एना बोल रही हूँ।

क्या तुम आज मेरे

घर खेलने आना चाहोगी?

तुम व्यस्त हो?

किस काम में?

ओह, अपनी बड़ी बहन के साथ।

हाय, बैटसी

एना बोल रही हूँ।

क्या आज तुम मेरे

घर खेलने आना चाहोगी?

तुम व्यस्त हो?

क्या करने में?

ओह, अपने छोटे भाई के साथ।



मेरी न तो बहनें हैं
ना ही भाई
जो मेरी ज़िन्दगी को व्यस्त बनाएं।
पर मेरे पास तुम तो हो ना स्नूपी।
चलो स्नूपी
जागो और मेरे साथ खेलो।
तुम मेरे सर्कस के
सितारे बन सकते हो।
नहीं?





तो चलो चोर-सिपाही खेलें?
तुम्हें तो भागना-भगाना पसन्द है।
स्नूपी?
तुम तो निहायत आलसी हो।
मैंने तुम्हारा नाम स्नूपी (टोह लेने वाला)
रखा ही क्यों?

तुम न तो स्नूपी जैसे दिखते हो
ना स्नूपी जैसा काम करते हो।
ठीक है मुर्दा होने का नाटक करते पड़े रहो।
मुझे कोई फ़र्क नहीं पड़ता।



मुझे तुम्हारी ज़रूरत नहीं।
मैं अपनी खुद की
एक बहन बना लूंगी।
वह मेरे आकार की होगी -
न बहुत बड़ी
न बहुत छोटी।
वह धौंस भी नहीं जमाएगी
ना ही परेशान करेगी।
मैं जो कुछ कहूँ
बस वही करेगी।

इस पुराने चूड़ीदार से
सही शुरूआत हो सकेगी।
अब माँ की कतरनों की थैली
और सिलाई का डिब्बा लाना पड़ेगा।





तुम्हें एक धड़ और
एक सिर चाहिए होगा।
मैं तुम्हारा नाम एगनस रखूंगी।
तुम मेरे कपड़े पहन सकोगी।

यह मेरी पुरानी टी-शर्ट है।
देखो तो, यह तुम्हारी चूड़ीदार
के साथ कितनी अच्छी लग रही है।



तुम्हारा चेहरा तो बड़ा सुन्दर है एगनस।
पर दुख की बात है कि तुम गंजी हो।
लो यह टोपी पहन लो।
अब बेहतर है। है ना?





अरे तुम्हारे पैरों पर
यह चीरा कैसे लगा?
खैर एक बैण्डएड से काम बन जाएगा।
पता है, तुम गलत जगहों
पर गठीली हो।
मैं तुम्हारे पेट को सपाट बना देती हूँ
और तुम्हारे पाछे को गोल।

ये लो एगनस।

क्या तुम्हें अपना कमरा पसन्द आया?

तुम मेरे बिस्तर के ऊपरी

बंक पर सो सकती हो।

पर अभी नहीं।

अभी तो खेलने का समय है।

क्या खेलना चाहोगी तुम?

गुड़ियों से!

यह क्या? तुम्हारी जैसी बड़ी

लड़की गुड़ियों से खेलना चाहती है?

ना, ना, चलो अपन

कैण्डी लैण्ड वाला खेल खेलते हैं!



मैं तुम्हें खेल सिखाती हूँ।

अरे तुम तो बेइमानी कर रही हो!

यह तो ठीक नहीं।

हम कुछ और खेलते हैं।



अपन अब डोमिनोस खेलते हैं।
डैडी ने कल रात ही मुझे
डोमिनोस खेलना सिखाया था।
बड़ा आसान है।
मैं सिखाती हूँ तुम्हें।

तुम हमेशा तो नहीं
जीत सकती एगनस।
मैं खुद ही कई बार हार जाती हूँ।
अरे, रोना बन्द करो।
हम्म्म्म्म्म, हो सकता है तुम बीमार हो।
चलो बिस्तर पर लेटो
और अपना सिर ढ़क लो।



तुम मुझे छका नहीं सकती एगनस।
मैंने तुम्हारा बुखार नापा
तुम्हें चाय और शहद पिलाया।
एक कहानी भी पढ़ कर सुनाई।
तुम बीमार नहीं हो।
सो अब उठ बैठो।
और कुछ ऐसा सोचो
जो हम दोनों मिलकर कर सकें।





अब बेवकूफों की सी मुस्कान
के साथ बैठी न रहो।
कुछ तो सोचो मूरख!
मुझे ही हमेशा क्यों कोई नया
खेल सोचना पड़ता है?
तुम तो एकदम नीरस हो एगनस।
मैं जेन को फोन करती हूँ।

हाय, जेन।

मैं एना।

क्या तुम अब भी व्यस्त हो?

बरिश तो रुक चुकी है।

तुम यहाँ आ क्यों नहीं जातीं।

मेरे पास कुछ ऐसा है

जो तुम्हें चौंका देगा।

मेरी एक नई बहन है।

नहीं, माँ की बच्ची नहीं हुई।

ना, हमने किसी बच्ची को

गोद नहीं लिया है।

नहीं, वह नन्ही नहीं है।

वह हमारे ही जैसी बड़ी है।

बस कुछ चुप-सी है।

पर बड़ी अच्छी है।

वह धौंस भी नहीं जमाती,

उन बहनों की तरह जिन्हें मैं जानती हूँ।

स्नूपी!

एगनस को छोड़ो!



मुझे फोन रखना होगा जेन।

मुझे अपनी बहन को बचाना है।

कल मिलते हैं।

ओह, तुम आ रही हो?

बहुत बढ़िया! कब?

अच्छा अभी!

वाह भई वाह।

जल्दी आना।

मिलते हैं।





लो फोन घनघनाया।

ना जाने कौन होगा?

हैलो।

ओह, हाय, बैटसी।

मैं अभी बात नहीं कर सकती।

मेरी बहन को

मरहम-पट्टी की ज़रूरत है।

स्नूपी ने उसके पाछे में

एक छेद कर दिया है।

हाँ, वह एकदम नई-नवेली है।

तुम उसे रोते नहीं सुन पा रही हो

क्योंकि वह रो नहीं रही है।

वह बड़ी बहादुर है।

वह कतई परेशान नहीं करती।

वह उन छोटे भाइयों जैसी नहीं है,

जो हैरान करते रहते हैं।

ओह, तुम्हारा छोटा भाई

अब सो रहा है

और तुम आना चाहती हो?

बढ़िया!

जेन भी आ रही है।

जल्दी ही मिलते हैं।





मेरी बहन कैसी है?
वह कुछ फ़र्क है।
तुम खुद देख लोगी।
जल्दी आ जाओ!
मिलते हैं।

ठीक है एगनस
तुम्हारी मरहम-पट्टी हो गई है
और तुम अब फिर नई हो गई हो।
जेन और बैटसी आ रही हैं।



हो सकता है हम तुम्हारे साथ खेलें, एगनस।
यह भी कि हम तुम्हारे साथ न खेलें।
यह इस बात पर निर्भर करेगा
कि जेन और बैटसी क्या करना चाहती हैं।
वे मेरी दोस्त हैं।



एना की न बहनें हैं न भाई और उसकी सहेलियाँ व्यस्त हैं सो आ नहीं सकतीं। उसका कुत्ता स्नूपी भी मस्ती नहीं करता। वह मुर्दा होने का नाटक करना चाहता है। और यह तो वह अपने आप ही कर सकता है।

अब क्या किया जाए? "मैं अपनी एक बहन बना लेती हूँ," एना तय करती है। वह अपने पुराने चूड़ीदार और माँ की कतरनों से शुरुआत करती है। और जल्द ही एक बहन बना लेती है, जो बढ़िया सहेली भी हो। ऐसी जो ठीक वह करे जो एना चाहती हो।